

## 17. कृषि के क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाएँ

सदियों से कृषि भारत के जीवन का मूलधार रही है। भारत की विशाल जनसंख्या की भोजन संबंधी मूलभूत आवश्यकता उपलब्ध कराने में कृषि क्षेत्र में हुए विकास और अनुसंधान के विशेष भूमिका है। स्वाधीनता उपरान्त देश में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति एवं पीली क्रांतियों के कारण भारतीय जनमानस को खाद्यान्न, दुग्ध एवं दलहन के कमी नहीं हो पायी है। यह सब सम्भव हो पाया देश भर में फैले हुए कृषि अनुसंधान शालाओं विश्वविद्यालयों में कार्यरत कृषि वैज्ञानिकों के सतत् प्रयास के द्वारा।

वर्तमान परिस्थितियों में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन एवं अनुसंधान देश के आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सुदृढ़ता के लिए अपरिहार्य है। फलस्वरूप केन्द्र एवं राज्य सरकारें कृषि क्षेत्र में निरंतर नवीन अध्ययन शालाएँ खोल रही हैं जहाँ आधुनिक कृषि विज्ञान का ज्ञान प्राप्त कर देश का युवा आसानी से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है। हायर सेकण्डरी उपरांत विद्यार्थियों के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि विज्ञान, उद्यानिकी, मत्स्य विज्ञान, सामाजिक वानिकी, रेशम उत्पादन विज्ञान, बायो टेक्नोलॉजी, डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि इंजीनियरिंग इत्यादि क्षेत्रों में अध्ययन के अवसर उपलब्ध हैं। कृषि के इन क्षेत्रों में अध्ययन हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी निम्नानुसार है –

भारत में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन संबंधी सर्वोच्च नियामक एवं नियंत्रक संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली (ICAR) है। जिसके मार्गदर्शन में देश भर के 70 कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि सम्बंधित पाठ्यक्रम संचालित हैं। इन कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दो प्रकार की प्रवेश परीक्षाएँ प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं। जो निम्न हैं:-

1. **NTA द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के लिये आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (ICAR-AIEEA)**
2. राज्य स्तर पर प्रत्येक राज्य की पृथक प्रवेश परीक्षा जैसे छत्तीसगढ़ राज्य हेतु प्री. एग्रीकल्चर प्रवेश परीक्षा (PAT)

### **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (AIEEA)**

**NTA द्वारा** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के लिये देश भर के लगभग 70 कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों की एक अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से स्नातक स्तर पर विश्वविद्यालयों में उपलब्ध लगभग 15 हजार सीटों के 15 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति की जाती है साथ ही राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल के 100 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति भी इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह प्रवेश परीक्षा सामान्यतः प्रति वर्ष अप्रैल/मई माह में आयोजित होता है।

### **परीक्षा हेतु योग्यता :-**

**(क) आयुसीमा :-** किसी वर्ष प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदक की आयु उस वर्ष के 31 अगस्त को 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए

**(ख) शैक्षणिक योग्यता :-** आवेदक 10+2 पद्धति की 12वीं परीक्षा भौतिकी, रसायन अनिवार्य विषय के साथ गणित/जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान में से न्यूनतम एक विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। हायर सेकेण्डरी में सामान्य एवं अ.पि.वर्ग के आवेदकों हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक तथा अ.जा तथा अ.ज.जा. एवं दिव्यांग वर्ग के आवेदकों के लिए 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

**आवेदन:-** आवेदक को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वेबसाइट [www.icar.org.in](http://www.icar.org.in) पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

**परीक्षा की योजना :-** यह प्रवेश परीक्षा एकल प्रश्न पत्र पर आधारित है। जो निम्नानुसार है -

परीक्षा की प्रकृति वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय है। परीक्षा में 150 प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनके उत्तर हेतु 2.30 घंटे की अवधि निर्धारित है। यह परीक्षा ऑनलाइन (CBT) होता है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंकों का प्रावधान है।

**कृषि पाठ्यक्रमों की प्रकृति के आधार पर प्रवेश परीक्षा दो वर्गों में विभक्त है - स्ट्रीम (अ) एवं स्ट्रीम (ब)।**

**स्ट्रीम (अ)** के प्रश्न पत्र में भौतिकी रसायन, जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान से सम्बंधित प्रश्न सम्मिलित किये जाते हैं। प्रत्येक भाग में 4-4 अंक के 50-50 प्रश्न होते हैं। यह प्रश्न पत्र 600 अंक का होता है। इस वर्ग के अन्तर्गत परीक्षा देने वाले आवेदक कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, यानिकीविज्ञान, गृहविज्ञान, रेशम उत्पादन विज्ञान तथा बायोटेक्नोलॉजी के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते हैं।

**स्ट्रीम (ब)** जो गणित संकाय के विद्यार्थियों से संबंधित है, के अन्तर्गत भौतिकी, रसायन एवं गणित से सम्बंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक भाग में 4-4 अंक के 50-50 प्रश्न होते हैं। यह प्रश्न पत्र 600 अंक का होता है। इस वर्ग के आवेदक कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नोलॉजी फूड टेक्नोलॉजी अथवा कृषि मार्केटिंग के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते हैं।

**राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति :-** इस प्रवेश परीक्षा की एक विशिष्टता है कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले उन समस्त विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिन्होंने इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अपने राज्य के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य के कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए प्रवेश लिया है। यह छात्रवृत्ति सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए रु. 3000 प्रतिमाह की दर से दी जाती है। इस हेतु आवश्यक है कि पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी का अध्ययन स्तर उच्च बना रहे।

## **छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा**

### **प्री एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT) :-**

छ.ग. राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छ.ग. व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष माह मई/जून में एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके द्वारा राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, वानिकी विज्ञान, पशुपालन में डिप्लोमा इत्यादि पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। छ.ग. राज्य के समस्त कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत है। PAT के विज्ञान समूह के परीक्षा में भौतिक, रसायन के 30-30 प्रश्न तथा गणित/जीवविज्ञान के 40 प्रश्न होते हैं। इसके कृषि समूह के परीक्षा में पशुपालन एवं कुक्कुट पालन तथा फसल उत्पादन एवं उद्यानशास्त्र के 30-30 प्रश्न तथा कृषि के लिये उपयोगी विज्ञान एवं गणित के 40 प्रश्न होते हैं। यह परीक्षा 2 घंटा का होता है तथा इसमें नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

PAT के माध्यम से बी.एस.सी. (कृषि) आनर्स/ बी.एस.सी. (वानिकी) आनर्स/ बी.एस.सी. (उद्यानिकी) आनर्स के लिये पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि. दुर्ग के संचालित मात्स्यिकी विज्ञान में डिप्लोमा (D.F.Sc) तथा पशुपालन में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन एनीमल हस्बैन्ड्री) में प्रवेश भी पीएटी परीक्षा के माध्यम से होता है। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि. दुर्ग के तहत ही संचालित दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर के बी.टेक डेयरी पाठ्यक्रम एवं दुग्ध प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश पीईटी (PET) के माध्यम से होता है।

### **परीक्षा हेतु योग्यता:-**

(क) **आयुसीमा :-** इस प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक की आयु उस वर्ष 31 अगस्त को 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

(ख) **शैक्षणिक योग्यता:-** कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक हायर सेकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। हायर सेकण्डरी में आवेदक द्वारा भौतिक, रसायन के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की प्रकृति अनुसार गणित अथवा जीवविज्ञान अथवा एग्रीकल्चर विषय की योग्यता होनी चाहिए। बीएससी एग्रीकल्चर, हॉटीकल्चर (उद्यानिकी) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जहां गणित, जीवविज्ञान अथवा कृषि संकाय में से किसी भी संकाय का हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण छात्र पात्र होगा, जबकि कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलॉजी के बी.ई. बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु केवल गणित संकाय के विद्यार्थी ही पात्र होंगे। पशुचिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु जीवविज्ञान विषय के साथ हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण छात्र ही पात्र होंगे।

**परीक्षा योजना :-** छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तीन पृथक परीक्षाएं आयोजित करता है।

1. बीएससी एग्रीकल्चर, हॉटीकल्चर (उद्यानिकी), बीएस.सी. (वानिकी) आनर्स आदि के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्री एग्रीकल्चर परीक्षा (PAT)।
2. कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलॉजी के बी.ई. बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु प्री इंजीनियरिंग परीक्षा (PET)।



उक्त समस्त परीक्षाएँ प्रतिवर्ष माह मई/जून में आयोजित किये जाते हैं जिनके लिए आवेदकों को प्रवेश फार्म माह मार्च-अप्रैल से उपलब्ध करवाया जाता है।

**विशेष टीप:-** इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. रायपुर तथा दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग संचालित विभिन्न कॉलेजों में कृषक परिवार के छात्रों के लिये 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण होता है। आवेदन करते समय इसका विशेष ध्यान रखें।

#### **कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर :-**

रोजगार की असीम संभावनाओं से युक्त कृषि क्षेत्र के स्नातक व्यक्तियों को रोजगार के वृहद आयाम उपलब्ध है वर्तमान में इस क्षेत्र का योग्यताधारी आसानी से निम्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहा है:-

- 1 केन्द्र एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग के अन्तर्गत विभिन्न राजपत्रित एवं गैर राजपत्रित पद ।
- 2 विभिन्न सरकारी एवं निजी बैंको तथा बीमा कम्पनियों में प्रबंधक एवं सुपरवाइजर के पद।
- 3 सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित क्षेत्र विकास कार्यक्रमों तथा वाटर सेड मिशन में विभिन्न पद।
- 4 बीज उत्पादक, कीटनाशक उत्पादक, तथा खाद उत्पादन कम्पनियों में विभिन्न पद।
- 5 कृषि इंजीनियरिंग उत्पाद जैसे ट्रैक्टर हारवेस्टर थ्रेसर बनाने वाली कम्पनियों में विभिन्न पद।
- 6 खाद्य प्रसंस्करण संबंधी उद्योगों में विभिन्न पद।

#### **संपर्क -**

अधिक जानकारी के लिये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के वेबसाइट [www.igau.edu.in](http://www.igau.edu.in) तथा दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग के वेबसाइट [www.cgkv.ac.in](http://www.cgkv.ac.in) संपर्क किया जा सकता है।

**उत्साह ही बलवान होता है। उत्साह से बढ़कर दूसरा कोई बल नहीं है। उत्साही पुरुष के लिये संसार में कोई वस्तु दुर्लभ नहीं है।**

**—महर्षि वाल्मीकि**